आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

बर्ष :13 अंक :365 पृष्ठ –4 दिनांक 08 जनवरी 2025 दिन बुधवार

लखनऊ में पत्रकार के परिवार से बीजेपी नेता के गुर्गों ने की मारपीट

कभी कांग्रेस , कभी सपा का दामन थामें रहे मनोज इस वक्त बीजेपी के साथ

उत्तरप्रदेश लखनऊ की 1090 स्थित चटोरी गली में रविवार रात एक मौसमी नेता के गुर्गों ने पत्रकार के परिवार पर हमला कर दिया. कभी कांग्रेस , कभी सपा का दामन थामें रहे मनोज इस वक्त बीजेपी के साथ है और उनके गुर्गे कल रात उस वक्त हमलावर हो गए, जब पत्रकार रवि अपने परिवार के साथ खाने गए थे. खाने का सामान खराब होने पर शिकायत पर विवाद शुरू हुआ और मनोज के गुर्गे मुन्ना पठान, हसीब खान , मनोज का बेटा और एक अन्य ने पत्रकार के परिजनों के साथ मारपीट और बदसलूकी की फिर मामला थाने पहुंचा. थाने पहुंचने पर पुलिस भी नेता के रौब के आगे झुकी दिखाई दी, हालांकि बड़े अधिकारी आने पर पुलिस ने मामला कंट्रोल किया. पत्रकार रवि श्रीवास्तव जब परिवार के साथ थाने पहुंचे तो वहां पर सफेद ट्रैकसूट में सरकारी गनरों से लैस मौजूदा भाजपा

नेता रौब गांठता–धमकाता नजर आया. बता दें कि, रवि श्रीवास्तव की बिटिया का जन्मदिन था, वो अपने बुजुर्ग माता–पिता, पत्नी–बच्चों और भाई के परिवार के साथ लखनऊ के 1090 चौराहे स्थित चटोरी गली में खाना खाने गए थे, जहां उनका विवाद हो गया. यहीं कॉल पर पहुंची डायल 112 की टीम ने हमलावर उपद्रवियों को दबोच कर थाने ले गई. जहां सफेद ट्रैक सूट में पिस्टल लगाए मनोज सिंह पुलिसकर्मियों को हड़काने लगा. थाने के भीतर लाए गए हमलावरों को जबरन बाहर निकलवा लिया. वहां पहुंचे चौकी इंचार्ज ने पीड़ित रवि पर ही कार्रवाई की चेतावनी दी. तहरीर के मुताबिक मनोज ने बीजापुर जैसे पत्रकार की घटना करने की भी धमकी दी. घटना की गंभीरता को देखते हुए एसीपी हजरतगंज को हस्तक्षेप करना पड़ा, जिसके बाद पीड़ित पत्रकार की तहरीर पर पुलिस ने कार्रवाई शुरू की. मनोज सिंह बलिया जिले के बैरिया का रहने वाला है. मनोज सिंह विभूति खंड, लखनऊ में रहता हैं और चटोरी गली में दुकानों का संचालन करता हैं. विवादित छवि वाला मनोज सिंह 2022 में समाजवादी पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुआ है. थाने पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने बताया कि, इसकी ल श्रेणी की सुरक्षा भी है. गौतमपल्ली इंस्पेक्टर ने बताया कि चारों आरोपित पर शांतिभंग का चालान काटा गया है.

अखिलेश यादव का दावा– सीएम योगी आदित्यनाथ बीजेपी के सदस्य नहीं हैं

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दावा किया है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भारतीय जनता पार्टी के सदस्य नहीं हैं. लखनऊ में एक प्रेस वार्ता के दौरान अखिलेश ने यह चौंकाने वाल दावा किया है. दरअसल, सपा मुख्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान अखिलेश ने बीजेपी विधायक नंद किशोर गुर्जर के बयान का जिक्र किया.बिना गुर्जर का नाम लिए अखिलेश ने कहा कि एक विधायक ने कहा कि 50 हजार गाय प्रतिदिन काटे जा रहे हैं. या तो विधायक गलत हैं, या 50 हजार गाय रोज काटी जा रही हैं, ये सच है. बीजेपी के विधायक कह रहे हैं कि अगर आज बीजेपी की सरकार नहीं होती या सीएम न होते तो वह मुख्यमंत्री आवास में घुस जाते. उन्हें शायद यह नहीं पता है कि आज जो सीएम हैं वह बीजेपी के सदस्य नहीं हैं. इसलिए देर क्यों कर रहे हो, अगर 50 हजार गाय प्रतिदिन काटी जा रही है तो आइए लखनऊ और घुस जाइए मुख्यमंत्री आवास में.इसके अलावा समाजवादी पार्टी के मुखिया ने प्रेस वार्ता में संभल का मुद्दा भी उठाया. उन्होंने कहा कि, श्समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल संभल जाकर लोगों से बात करना चाहता था. सरकार ने हमें इसकी अनुमति नहीं दी. वे दिल्ली और लखनऊ से तैयारी करके आए थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया. लेकिन जब वे दूसरी बार जाना चाहते थे, तो पुलिस ने उन्हें अनुमति दे दी. पहली बार सरकार क्या छिपाना चाहती थी? वहां लोगों पर दबाव बनाया जा रहा है, झूठे मामले बनाए जा रहे हैं. पूरी घटना सरकार द्वारा गढ़ी गई है.जब हमारे पास पूजा स्थल अधिनियम, 1991 पहले से ही है, तो सर्वेक्षण की इतनी जल्दी क्यों थी? इसके अनुसार सर्वेक्षण नहीं किया जा सकता. लेकिन यह एक साजिश के तहत किया गया.श्अखिलेश ने कहा कि ये दंगे नहीं थे, लोगों की जान इसलिए गई क्योंकि प्रशासन ने गोलियां चलाईं. अधिकारियों पर ऐसा कौन सा दबाव है कि वे अलोकतांत्रिक गतिविधियां कर रहे हैं?.जो लोग जेल गए, उन्हें बुरी तरह पीटा गया, वे लगभग मर सकते थे.उन पर सरकार के अनुसार बयान देने का दबाव बनाया जा रहा है.हमारे प्रतिनिधिमंडल से मिलने के बाद अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया, और निलंबन भी जाति के आधार पर किया गया.श

आजमगढ़ में कपड़े की दुकान में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर हुआ खाक

यूपी के आजमगढ़ में रविवार की रात को एक कपड़े की दुकान मं भीषण आग लग गई, जिससे दुकान में रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया है. आग इतनी भयंकर थी कि उसने आसपास की दुकानों को प्रभावित किया. स्थानीय ला. गों ने आग को बुझाने की कोशिश की. घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची तब कहीं आग पर काबू पाया जा सका. इस आग से दुकान मालिक को लाखों का नुकसान हुआ है. बताया जा रहा है कि नगर पंचायत महराजगंज में रॉयल कले. क्शन नाम की कपड़े की दुकान में रविवार की रात करीब 12:25 बजे आग लग गई. देखते ही देखते आग ने विक. राल रूप धारण कर लिया. स्थानीय ला. गों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग की लपटे इतनी तेज थी कोशिशों के बाद भी आग पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका. जिसके बाद दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया. घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया. आग से दुकान में रखा सामान जलकर खाक इस आग में दुकान में रखा कपड़े का पूरा समान जलकर खाक हो गया. आग कैसे लगी इसका कारणों को पता नहीं चल पाया है. अग्निशमन विभाग के अधिकारी बनारसीदास ने कहा कि ये दुकान इतनी बड़ी थी, बावजूद इसके यहां मानकों के अनुसार अग्निशमन उपकरण नहीं थे. जिसकी वजह से आग पर काबू पाने में इतनी दिक्कतों का सामना करना पड़ा. उन्होंने कहा कि पूरे महराजगंज में स्थित छोटी बड़ी सभी दुकानों का यही हाल है. अधिकारी ने कहा कि विभाग द्वारा कई बार इसके लिए निर्देश व जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है. बावजूद इसके दुक. ानदार और स्थानीय लोग अग्निशमन उपकरणों के प्रति ध्यान नहीं देते. विभाग की त्वरित कार्यवाही व स्थानीय लोगों की मदद से आग को फैलाने से रोकने में सफलता मिली और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई. परन्तु दुकानदारों की अग्निशमन उपकरण के प्रति अनदेखी के चलते कोई बड़ा हादसा हो सकता है. दुकान के मालिक ने बताया कि आग की वजह से सामान के साथ–साथ तीन मंजिला बिल्डिंग को भी भारी नुकसान पहुंचा है. आसपास की दुकानों को भी आग के कारण नुकसान पहुंचा है. आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है. शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की संभावना जताई जा रही है. इस घटना ने इलाके के व्यापारियों में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है. प्रशासन ने व्यापारियों से सतर्कता बरतने और अग्निशमन उपकरणों को दुकान में रखने की अपील की है.

आयुष्मान कार्ड पर धामी सरकार का बड़ा फैसला,उत्तराखंड में अब नहीं कर पाएंगे ये काम

उत्तराखंड में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत फर्जी कार्ड के जरिए मुफ्त इलाज करवाने वालों पर सरकार ने सख्ती बरतने का निर्णय लिया है. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस मामले में गंभीरता दिखाते हुए मुख्य सचिव राधा रतूड़ी को निर्देश दिए हैं कि फर्जी कार्डधारकों का सत्यापन सुनिश्चित किया जाए. इसके साथ ही अब आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए आधार कार्ड के साथ राशन कार्ड भी अनिवार्य कर दिया गया है.हाल ही में सामने आए मामलों से पता चला है कि बाहरी राज्यों से आने वाले लोग फर्जी आधार कार्ड और अन्य दस्तावेजों के माध्यम से उत्तराखंड में आयुष्मान कार्ड बनवा रहे हैं. इन कार्डों के सहारे वे राज्य के सरकारी और निजी अस्पतालों में मुफ्त इलाज की सुविधा ले रहे हैं. एम्स ऋषिकेश, हल्द्वानी के मेडिकल कॉलेज, देहरादून और हरिद्वार के सरकारी अस्पतालों में इस तरह के कई मामले पकड़े गए हैं.इलाज करवाने के लिए फर्जी दस्तावेजों का सहारा बताया जा रहा है कि अस्पतालों के आसपास कुछ गिरोह सक्रिय हैं, जो फर्जी दस्तावेज तैयार कराकर आयुष्मान कार्ड बनवाने में मदद कर रहे हैं. इन गिरोहों का मुख्य उद्देश्य बाहरी राज्यों के मरीजों को मुफ्त चिकित्सा सुविधा दिलाकर उत्तराखंड सरकार के बजट पर आर्थिक बोझ डालना है. विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जिलों बिजनौर, मुजफ्फरनगर और सहारनपुर से आने वाले लोग इस सुविधा का दुरुपयोग कर रहे हैं. यूपी में आयुष्मान योजना के तहत केवल बीपीएल परिवारों को मुफ्त इलाज की सुविधा मिलती है, जबकि उत्तराखंड में हर परिवार को इसका लाभ दिया जाता है. इस कारण पड़ोसी राज्यों के लोग उत्तराखंड में इलाज करवाने के लिए फर्जी दस्तावेजों का सहारा ले रहे हैं.गृह विभाग की जांच रिपोर्ट के बाद मुख्यमंत्री धामी ने मुख्य सचिव को तुरंत प्रभाव से सत्यापन प्रक्रिया तेज करने और सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए. इस संबंध में मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने आदेश जारी किए हैं कि आयुष्मान कार्ड के लिए आधार कार्ड के साथ राशन कार्ड अनिवार्य किया जाए. यह कदम फर्जी. वाड़ा रोकने में अहम भूमिका निभाएगा. साथ ही, जनसेवा केंद्रों पर छापेमारी की कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है. इसके तहत उन केंद्रों की जांच की जा रही है, जहां फर्जी दस्तावेजों के आधार पर आयुष्मान कार्ड बनाए जाने की संभावना है.फर्जी कार्ड ने बढ़ाई राज्य सरकार की मुश्किलें फर्जी कार्ड के माध्यम से मुफ्त इलाज कराने वाले मरीजों की संख्या बढ़ने से राज्य सरकार के बजट पर भारी बोझ पड़ रहा है. आयुष्मान भारत योजना के तहत सरकार प्रत्येक मरीज के इलाज का खर्च वहन करती है. फर्जी मरीजों की बढ़ती संख्या से इस योजना का मूल उद्देश्य प्रभावित हो रहा है, जिससे उत्तराखंड के जरूरतमंद नागरिकों को नुकसान हो सकता है. सरकार ने जनता से अपील की है कि वे इस फर्जीवाड़े को रोकने में मदद करें. जरूरतमंद लोगों तक योजना का लाभ पहुंचाने के लिए सत्यापन प्रक्रिया को सख्त बनाना जरूरी है. इसके अलावा, जनसेवा केंद्रों और अन्य संबंधित विभागों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए निगरानी तंत्र को मजबूत किया जाएगा. अब देखना होगा कि मुख्यमंत्री धामी द्वारा उठाए गए ये कदम कितने प्रभावी साबित होते हैं. आयुष्मान योजना के बढ़ते बोझ को कम करने के लिए सरकार को फर्जीवाड़ा रोकने के साथ–साथ जागरूकता फैलाने पर भी ध्यान देना होगा. सही दिशा में किए गए प्रयास योजना के सही लाभार्थियों तक इसका लाभ पहुंचाने में मदद करेंगे. इस तरह की सख्ती न केवल योजना का दुरुपयोग रोकने में मददगार होगी, बल्कि यह सुनिश्चित करेगी कि सरकारी धन का इस्तेमाल सही जगह पर हो. आने वाले दिनों में सत्यापन प्रक्रिया और नए नियमों का प्रभाव देखने को मिलेगा.

योगी सरकार ने इस साल की छप्परफाड़ कमाई, पिछले साल के मुकाबले इतने करोड़ बढ़ा राजस्व

उत्तर प्रदेश सरकार ने बीते दिसंबर में जमकर कमाई की है. पिछले साल के मुकाबले राज्य सरकार के रेवेन्यू में इस बार जबर्दस्त इजाफा हुआ है. वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि दिसंबर में सरकारी खजाने में 17,605.32 करोड़ रुपये आए जो पिछले साल की तुलना में कहीं ज्यादा है. सरकार की कमाई बढ़ने से विकास कार्यों पर और ज्यादा ध्यान दिया जा सकेगा, जिससे लोगों को फायदा होगा.वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि राज्य सरकार को मिले रेवेन्यू के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि पिछले साल 2023–24 वित्तीय वर्ष में दि. संबर महीने में सरकार को 16628.18 करोड़ रुपये की कमाई हुई थी, जबकि इस बार 2024–25 वित्तीय वर्ष में दिसंबर महीने में सरकार को 17,605.32 करोड़ रुपये का रेवेन्यू मिला. जो पिछले साल के मुकाबले 977.14 करोड़ रुपये ज्यादा का राजस्व मिला है. यूपी सरकार ने इस साल की जमकर कमाई वित्त मंत्री ने कहाकि जीएसटी के तहत 2024 के दि. संबर में सरकार को 6342.68 करोड़ रुपये मिले, जबकि पिछले साल 2023 के दिसंबर में जीएसटी के तहत 6239.81 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ. वैट की बात करें तो यूपी सरकार को 2023 में वैट से 2861.37 करोड़ रुपये मिले थे जो 2024 दिसंबर में वैट के तहत मिला राजस्व बढ़कर 3105.91 करोड़ रुपये तक पहुंच गया. आबकारी मद में भी सरकार ने जमकर कमाई की. 2023 दि. संबर में सरकार ने आबकारी मद से

3776.32 करोड़ रुपये कमाए थे जो 2024 दिसंबर में बढ़कर 4141.76 करोड़ रुपये रहा. 2023 स्टाप और निबंधन से सरकार ने 2024 दिसंबर में 2784.94 करोड़ रुपये मिले जो साल 2023 दि. संबर में 2445.51 रहा था. परिवहन से सरकार को साल 2024 में 805.84 करोड़ रुपये की कमाई हुई थी, हालांकि पिछले साल परिवहन से सरकार ने ज्यादा पैसे कमाए थे. 2023 दिसंबर में सरकार ने परिवहन से 910.05 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया था. भूतत्व और खनिकर्म के तहत सरकार को दिसंबर 2024 में 424.18 करोड़ रुपये का राजस्व मिला जो दिसंबर 2023 में 395.12 करोड़ रुपये था.वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि राज्य कर के अंतर्गत जीएसटी और वैट से सरकार ने दिसंबर 2024 तक 84030.61 करोड़ रुपये की कमाई की. जो निर्धारित लक्ष्य का 53.50 फीसद था. आबकारी मद में 34545.03 करोड़ रुपये का राजस्व कमाया जो लक्ष्य का 59.20 फीसद था. स्टाप में 22772.05 करोड़ का राजस्व और परिवहन में 8335.57 करोड़ का राजस्व प्राप्त किया.

बंधवा हनुमान मंदिर में घुसे चार आतंकी, महंत को बनाया बंधक

संगम क्षेत्र स्थित हनुमान मंदिर में शनिवार रात चार आतंकी घुस गए। उन्होंने मंदिर के महंत को बंधक बना लिया। इसकी सूचना मिलने पर नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) व एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीसी) ने मंदिर में पहुंचकर मोर्चा संभाला।27 मिनट तक चले ऑपरेशन में तीन आतंकी मौके पर ही ढेर कर दिए गए जबकि एक को गिरफ्तार कर लिया गया। बाद में पता चला कि एनएसजी व एटीएस की यह संयुक्त कार्रवाई मेला क्षेत्र में रात में हुई पहली काउंटर टेररिज्म एक्सरसाइज का हिस्सा थी। रात 10रू06 बजे यह एक्सरसाइज शुरू हुई। वायरलेस पर मैसेज प्रसा. रित हुआ कि हनुमान मंदिर में चार आतंकी घुस गए हैं और उन्होंने महंत को बंधक बना लिया है। इस सूचना पर कुछ ही देर में वहां एनएसजी व एटीएस के कमांडो पहुंच गए।पूरे मंदिर परिसर को लिया गया घेरे में दोनों टीमों ने सबसे पहले मंदिर परिसर को अपने घेरे में ले लिया। इसके बाद एनएसजी के जवानों की एक टीम भीतर घुसी। उधर, दूसरी ओर से एटीएस के कमांडो भी मुस्तैद हो गए। एक टीम ने सामने जबकि दूसरी टीम ने निकास द्वार की ओर से मंदिर में प्रवेश किया। भीतर पहुंचने पर चार आतंकी महंत को बंधक बनाए नजर आए। वह कुछ कर पाते, इससे पहले ही कमांडोज ने एक आतंकी को दबोच लिया। तीन आतंकियों ने फायरिंग करते हुए भागने की कोशिश की। इस पर कमांडोज ने तीनों को मौके पर ही ढेर कर दिया। 27 मिनट तक चला ऑपरेशन रात 10:33 बजे सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।कमांडोज को देख दर्शनार्थी हुए स्तब्ध काउंटर टेररिज्म एक्सरसाइज के दौरान अचानक मंदिर परिसर में दर्जनों कमांडोज को देखकर दर्शनार्थी स्तब्ध रह गए। अगले ही पल यह एनाउंसमेंट हुई कि दर्शनार्थी जल्दी से जल्दी मंदिर परिसर खाली कर दें तो वह सहम गए। हालांकि, कुछ देर बाद जब सच्चाई पता चली तो उन्होंने राहत की सांस ली।महाकुंभ की सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए हनुमान मंदिर में शनिवार रात मॉकड्रिल की गई। इसमें जवानों ने आतंकी वारदात से निपटने का पूर्वाभ्यास किया।

कासगंज दो सीओ की मौजूदगी में छापेमारी कोतवाली में खेल और रेस्टोरेंट में फिर शुरू धंधा!

कासगज सदर कोतवाली पुलिस ने नव वर्ष पर रेस्टोरेंट में हुई कार्रवाई के दौरान पकड़े गए आरोपियों पर झूठा मामला दर्ज कर अपने ही अधिकारियों को विवाद में डाल दिया। खुशी रेस्टोरेंट में दो सीओ की मौजूदगी में छापेमारी के बाद रंगरेलियां मना रहे नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया था। लेकिन एफआ. ईआर में हेरफेर कर मामले को कमजोर कर दिया गया।नए साल के दिन, खुशी रेस्टोरेंट के ऊपर बने कमरों में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पर एसपी अंकिता शर्मा ने सदर सीओ आंचल सिंह चौहान और सहावर सीओ शाहिदा नसरीन के नेतृत्व में एक टीम बनाकर छापेमारी कराई। टीम ने मौके से पांच लड़कियां और चार लड़कों को आपत्तिजनक स्थिति में गिरफ्तार किया। इसके साथ ही भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामान भी बरामद किया गया।कोतवाली में खेलापुलिस सभी आरोपियों को पूछताछ के लिए सदर कोतवाली ले गई। लेकिन वहां, चार लड़कों पर जिस्मफरोशी जैसे गंभीर आरोपों की जगह केवल महिलाओं और छात्राओं पर छींटाकशी का मामला दर्ज कर खानापूर्ति कर दी गई। इससे पुलिस की कार्रवाई पर सवाल खड़े हो गए हैं।. रेस्टोरेंट में फिर शुरू हुआ धंधाकार्रवाई के बावजूद, स्थानीय लोगों का कहना है कि रेस्टोरेंट में अगले ही दिन से फिर से जिस्मफरोशी का धंधा शुरू हो गया। आरोप है कि पुलिस ने स्थानीय दबाव या अन्य कारणों से मामला कमजोर कर दिया और दो सीओ की मेहनत को बेकार कर दिया।सवालों के घेरे में पुलिस लोगों का कहना है कि सदर और सहावर सीओ की मौजूदगी में हुई कार्रवाई का असर एफआईआर में नहीं दिखा। इसके चलते पुलिस पर भ्रष्टाचार और मिलीभगत के आरोप लग रहे हैं। स्थानीय लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

कासगंज आवारा कुत्तों की दहशत.18 घंटे में सात . को काटा, घर से बाहर निकलना भी मुश्किल

कासगंज जिले में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा है। अलग अलग स्थानों पर 18 घंटे के भीतर सात लोगों पर आवारा कुत्तों ने जानलेवा हमला कर दिया। सभी घायलों को उपचार के जिलाअस्पताल में भर्ती कराया है। एक साथ हुए कुत्तों के हमलों से ग्रामीणों में दहशत बढ़ रही है। बावजूद इसके कुत्तों को पकड़ने और बधियाकरण को लेकर कोई गंभीर कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।शहर के किला मुहल्ला निवासी 34 वर्षीय प्रमोद पुत्र दयाराम को उस समय आवारा कुत्ते ने हमला बोल दिया, जब वह अपने घर के बाहर खाना खाकर टहल रहे थे। स्वान ने उनके दाए हाथ में काट लिया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि आवारा कुत्ता बीते दिन भी लोगों पर हमला कर चुका था।सदर कोतवाली के नगला मामों निवासी चार वर्षीय अर्पित पुत्र सतीश चंद्र सोमवार की सुबह 11 बजे अपने घर के बाहर खेल रहा था। तभी आवारा कुत्ते ने आकर अर्पित पर हमला बोल दिया। कुत्ते ने उसे कई जगह काटा है। उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव सैलई निवासी अनिल पुत्र रामचंद्र सोमवार की दोपहर पशुओ को चारा लेने के लिए खेतों की ओर जा रहे थे, तभी आवारा कुत्ते ने हमला बोल दिया। कुत्ते ने उनके पैर और हाथ में काट लिया है। परिजनों द्वारा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।थाना ढोलना क्षेत्र के गांव मो. हम्मद पुर निवासी रामेश्वर की 17 वर्षीय पुत्री कामना पर आवार कुत्ते ने उस वक्त हमला बोल दिया था, जब वह अपने घर से दुकान पर सामान लेने के लिए जा रही थी, कुत्ते ने उसके हाथ में काट लिया है। किशोरी की चीखपुकार पर जुटे ग्रामीणों ने किसी तरह से किशोरी को आवारा कुत्ते से बचाया। उसे भी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।पांचवा हमला आवारा कुत्ते ने सोरों कोतवाली क्षेत्र के गांव नगला मोती निवासी 25 वर्षीय राजवीर सिंह पुत्र जसवीर सिंह पर कर दिया। उन्हें कुत्ते ने बुरी तरह से काट लिया। उन्हें भी परिजनो द्वारा उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।तीसरी घटना ढोलना थाना क्षेत्र के गांव इखोना में घटित हुई। जहां ज्ञान सिंह की 20 वर्षीय पुत्री विनीता सोमवार की दोपहर घर के बाहर खड़ी हुई थी, तभी गांव में घूम रहे आवारा कुत्ते ने उनके पैर में काट लिया। परिजनों द्वारा उसे भी उपचार के जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।केस नंबर सातशहर के सोरों गेट स्थित रामबली कॉलोनी बृजेश गौतम की 40 वर्षीय पत्नी दुर्गेश को सोमवार की दोपहर एक बजे उस समय कुत्ते ने हमला कर दिया, जब वह अपने घर के दरवाजे पर खड़ी हुई थी, तभी कुत्ते ने हाथ में काट लिया। उन्होंने भी उपचार के लिए परिजनों द्वारा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी आवारा कुत्तों के हमले से घायल हुए लोगों की हालत में चिकित्सकों द्वारा सुधार बताया जा रहा है।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत, पति समेत आठ लोगों पर दहेज हत्या की रिपोर्ट

एटा जनपद के जैथरा थाना अंतर्गत लालपुर जहांगीराबाद में अंजली (20) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर दहेज हत्या कर आरोप लगाते हुए कार्रवाई किए जाने की मांग की है। हालांकि, मृतका के पिता की लिखित शिकायत पर पुलिस ने पति समेत आठ लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीडन और दहेज हत्या की सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। फिलहाल, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट होगा। मूलरूप से औरैया जनपद के सहायल स्थित कचरला निवासी राजेश सक्सेना ने बेटी अंजली की शादी 9 जुलाई 2024 को एटा के लालपुर जहांगीराबाद के विनीत सक्सेना से की थी। लिखित शिकायत में पिता राजेश ने बताया कि उन्होंने शादी में सात लाख रुपये खर्च कर ससुराल वालों को काफी दहेज दिया था। बा. वजूद इसके विनीत एक लाख रुपये और बुलेट की मांग को लेकर अंजली को शारीरिक व मानसिक रुप से यातनाएं देता था। पिता ने बताया कि इस

सम्बन्ध में बेटी ने एटा के सम्बन्धित थाने में पति व ससुराल वालों के खिलाफ तहरीर दी थी, लेकिन पुलिस ने दम्पति के बीच समझौता करा दिया था। आरोप है कि रविवार को विनीत ने उन्हें फोन पर अंजली की मौत होने की जानकारी दी थी। इसके बाद वह सपरिवार लाल. पुर जहांगीराबाद पहुंचे। उन्होंने बताया कि बेटी का शव कमरे में बिस्तर पर पड़ा था।जिसके बाद परिजन दहेज हत्या की आशंका जताने लगे। इस पर परि. जनों ने पुलिस कंट्रोल रूम पर सूचना दी, लेकिन पुलिस के पहुंचने से पूर्व ससुराल पक्ष के लोग शव छोड़कर भाग निकले। पुलिस की जांच में गर्दन और शरीर पर कई जगह चोट के निशान मिले हैं। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम में भेज पिता राजेश की लिखित शिकायत पर पति विनीत सक्सेना, विपिन, विवेक, विनय, विजय, सुमन, सुरेंद्र और रीता पर दहेज हत्या की धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। इंस्पेक्टर जैथरा ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट होगा। फिलहाल, ससुराल वालों की तलाश में पुलिस रिश्तेदारों के घर पर दबिश दे रही है।

एटा जिले के श्रृंगार नगर मोहल्ले की गली नंबर 3 में जलते कूड़े के ढेर से नवजात शिशु का शव मिला

एटा जिले के श्रृंगार नगर मोहल्ले की गली नंबर 3 में जलते कूड़े के ढेर से नवजात शिशु का शव मिला है। कलयुगी मां की करतूत उजागर करती इस घटना से सभी लोग हैरान हैं। धू–धू कर जलती आग की लपटों से नवजात बच्चे का शव बुरी तरह झुलस गया। स्थानीय लोगों की निगाह जब शव पर पड़ी तो पुलिस सूचना दी गई। जिसके बाद शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की प्रक्रिया पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया गया।बच्चे का शव कचरे के ढेर में किसने फेंका है, पुलिस तलाश कर रही है। फिलहाल शव को कब्जे में लेकर एटा स्थित मोर्चरी भेज दिया गया। जहां दो दिन तक बच्चे का शव पोस्टमार्टम हाउस में रखा जाएगा इस दौरान यदि कोई शिनाख्त करने के लिए आता है तो ठीक है, वरना दो दिन बाद उसका पीएम कर दिया जाएगा।थाना प्रभारी राजेश कुमार चौहान ने बताया कि देर रात बच्चे का शव मिलने की सूचना मिली थी मौके पर पहुंचकर बच्चे के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। नवजात बच्चे का लिंग पुरुष है। प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की जा रही है।

एटा जिले के जलेसर थाना क्षेत्र के गढ़ी रामलाल गांव में सोमवार की शाम एक गंभीर घटना घटी

एटा जिले के जलेसर थाना क्षेत्र के गढ़ी रामलाल गांव में सोमवार की शाम एक गंभीर घटना घटी। खेतों की रखवाली कर रहे युवक को अज्ञात हमलावरों ने पीछे से गोली मार दी, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। गोली युवक के कनपटी में लगी और बाहर निकल गई। युवक की हालत नाजुक है, और उसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है।घायल युवक की पहचान दिनेश पुत्र वीरेंद्र सिंह के रूप में हुई है, जो गढ़ी रामलाल का निवासी है। दिनेश खेतों की रखवाली कर रहा था, तभी अचानक उसे पीछे से गोली मारी गई। गोली लगने के बाद युवक किसी तरह अपनी जान बचाकर जलेसर कोतवाली पहुंचा, जहां पुलिस ने उसे मेडिकल परीक्षण के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया। युवक का इलाज आगरा में चल रहाजलेसर पुलिस ने घायल युवक का बयान लेकर मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी है। पुलिस हमलावरों की तलाश में जुटी है। जलेसर थाना प्रभारी सुधीर राघव ने बताया कि युवक का इलाज आगरा में चल रहा है, और हमलावरों को पकड़ने के लिए जांच तेज कर दी गई है।

एटा जिल क जथरा गाव लालपुर जहागाराबाद में एक विवाहिता का शव फांसी के फंदे पर लटकता मिला

एटा जिल क जथरा गाव लालपुर जहागाराबाद म एक विवाहिता का शव फांसी के फंदे पर लटकता मिला है।स. सुराल पक्ष के लोगों ने दरवाजा तोड़ कर विवाहिता के शव को फंदे से नीचे उतारा। गांव वालों ने पुलिस को सूचना दी जिसके बाद घटना स्थल परनिरीक्षण किया गया।अलीगंज क्षेत्राधिकारी सुधांशु शेखर मौके पर पहुंचे और मुआयना किया है। मौके पर फील्ड यूनिट डॉग स्क्वाड को बुलाया गया। साक्ष्य संकलित किए गए हैं। मृतिका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है।जानकारी के अनुसार मृतिका अंजली का विवाह 6 माह पूर्व विनीत सक्सेना के साथ हिंदू रीति रिवाज से हुआ था शादी के 6 महीने भी नहीं गुजर पाए थे कि दहेज के लोभियों ने एक नवविवाहिता की गला दबाकर हत्या कर दी। मृतिका के पिता ने दहेज तथा अविवाहित जेठ पर छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है।गांव चरचला के राजेश कुमार सक्सेना ने अपनी बेटी की शादी 5 जुलाई 2024 को गांव लालपुर के विनोद कुमार सक्सेना के साथ संपन्न की थी। शादी में सात लाख रुपये, एक जंजीर

एक अंगूठी के अलावा घरेलू सामान दहेज में दिया था। शादी के बाद से ही अंजली के ससुरालीजन उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। विनीत द्वारा अपने ससुर से एक लाख रुपये तथा एक बुलेट मोटरसाइकिल की पेशकश की गई।दहेज की मांग पूरी न होने पर मृतका के साथ ससुरालीजन मारपीट करने लगे। राजेश का आरोप है कि उसकी बेटी अंजली के साथ उसका अविवाहित जेठ विपिन छेड़छाड़ करता था। जिसकी शिकायत भी की गई थी। दहेज न मिलने पर अंजली से मारपीट की गई तथा बाद में गला दबाकर हत्या कर दी गई।राजेश ने अपनी बेटी के ससुरालीजन पति विनीत, जेठ विपिन, विवेक, विनय, विजय, सुमन के अलावा चचिया ससुर सुरेंद्र, चचिया सास रीता सक्सेना के विरुद्ध जैथरा थाने में मुक. दमा दर्ज कराया है। क्षेत्राधिकारी सुधांशु शेखर ने बताया कि प्रथम दृष्टया दरवाजा तोड़कर शव बाहर निकाला जाना प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने का इंतजार है तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है।

कासगंज ने जीती उत्तर प्रदेश अमेरिकन फुटबॉल चौंपियनशिप

कासगंज। उत्तर प्रदेश अमेरिकन फुटबॉल चौंपियनशिप स्पोर्ट्स स्टेडियम सोरोंजी में आयोजित की गई। कासगंज का पुरुष, महिला और मिश्रित सभी वर्गों में दबदबा रहा। टीमों ने सभी खिताब अपने नाम करते हुए चौंपियनशिप अपने नाम कर ली। पुरुष वर्ग में मेरठ के अजीत तथा महिला वर्ग में कासगंज की अर्चना शर्मा सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गई।प्रतियोगिता का उद्घाटन एडीएम राजेश कुमार पटेल ने किया। महिला वर्ग में कासगंज ए की टीम विजेता बनी। खिलाड़ी सोनी और करिश्मा ने 6–6 अंक बनाए। पुरुष वर्ग में कासगंज और कासगंज ए ने अपने–अपने पूल मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बना. ई। कासगंज ने एटा को 21–0 और मेरठ को 18–8 से हराया। कासगंज ए ने सोनभद्र को 12–6 और वाराणसी को 6–2 से परा. जित किया। फाइनल मुकाबला में कासगंज ने कासगंज ए को 37–0 से हराया। संकल्प ने 8 अंक, मुनेंद्र रोनी ने 7 अंक और नवनीत ने 6 अंक के साथ अहम भूमिका निभाई। मिश्रित टीम वर्ग में कासगंज ने अलीगढ़ को 18–0 से हराकर खिताब जीता। खिलाड़ी मुनेंद्र रोनी, प्रक्ष जादौन और अर्चना ने 6–6 अंक बनाए। एसडीएम अनेक सिंह, खेल अधिकारी हरफूल सिंह, संघ के सचिव डॉ. प्रवीण सिंह जादौन ने विजेताओं को पुरस्कार बांटे। इस दौरान धर्मेश शर्मा, ठाकुर सुमित पुंढीर, जितेंद्र ठाकुर प्रधान, कुश्ती कोच बृजेश यादव आदि मौजूद रहे।

पार्षदों के सुझाव पर नगर आयुक्त का एक्शन-समयसीमा में अब बनेगें जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र-पार्षद नहीं लगेगें लाइन में

नगर आयुक्त ने अधीनस्थों के कसे पेंच-जमकर लगाई क्लास

नगर आयुक्त ने अधीनस्थों के कसे पेंच–जमकर लगाई क्लास–जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिये विलंभ होने पर उत्तरदायी के विरूद्ध होगी विभागीय कार्यवाहीजोन वाइज जोनल अधिकारी रोजाना जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र की करेगें समीक्षा और करेगें नगर आयुक्त को रिपोर्ट–नगर आयुक्त ने सिटी मजिस्ट्रेट से की बात नगर निगम द्वारा भेजे गये प्रमाण पत्रों को प्राथमिकता पर रिपोर्ट लगाने के लिये कहा–नगर आयुक्त ने साफ कहा यदि कोई फर्जी प्रमाण पत्र बनता है तो आवेदक व बनवाने वाले दोनों पर नगर निगम विधिक कार्यवाई करेगा।पिछले दिनों बजट के विशेष बोर्ड अधिवेशन में पार्षद कुलदीप पाण्डे सहित पार्षदों द्वारा जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने की प्रक्रिया में विलंभ और पार्षदों को लाइन में खड़े होने जैसी समस्या से नगर आयुक्त को अवगत कराया गया था। नगर आयुक्त विनोद कुमार ने पार्षदों को आश्वस्त् करते हुये तीन दिनों में व्यवस्था में सुधार लाने का वादा

पार्षदों से किया था।मंगलवार संभव जनसुनवाई में भी कई आवेदक जन्म मृत्यु प्रमाण नही बनने की शिकायत लेकर आये। नगर आयुक्त ने जन्म मृत्यु पंजीकरण व्यवस्था की समीक्षा करते हुये व्यवस्था में बाधा और विलंभ करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को नगर आयुक्त ने जमकर क्लास लगायी। नगर आयुक्त ने जन्म मृत्यु पंजीकरण व्यवस्था के लिये जीआईएस एक्सपर्ट शालिनी मुर्तजा को दो टूक शब्दों में प्रतिदिन प्राप्त आवेदनों को उसी दिन सम्बन्धित के पास रिपोर्ट लगाने के लिये भेजने के निर्देश दिये वही नगर आयुक्त ने सभी जोनल अधिकारियों से उनके जोन में प्रमाण पत्रों के विलंभ होने का कारण पूछा संतोषजनक उत्तर नहीं मिलने पर नगर आयुक्त ने सीधे जोनल अधिकारियों को इसके लिये जिम्मेदार मानते हुये प्रतिदिन जन्म मृत्यु प्रमाण पत्रों की समीक्षा और प्रतिदिन की रिपोर्ट से उन्हें अवगत कराने की हिदायत दी। नगर आयुक्त विनोद कुमार ने कहा कि जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने की व्यवस्था में पार्षदों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है पार्षद माननीय है और कोई भी पार्षद आवेदन लाइन में नहीं लगेगा इसके लिये सभी जोनल अधिकारी अपने कक्ष में व्यवस्था सुनिश्चित करें। नगर आयुक्त ने जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए पार्षदों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी जोनल अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अपने अपने जोन के पार्षदों को अपने कक्ष में बैठकर उनकी समस्या का समाधान करें जिससे अनावश्यक पार्षदों को जन्म मृत्यु ऑफिस के चक्कर न काटना पड़े।नगर आयुक्त ने कहा पब्लिक की सुविधा के लिए अलीगढ़ नगर निगम द्वारा जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए जोन वाइज अलग–अलग पृथक विंडो है नागरिक यहां आकर अपना आवेदन करें किसी भी दलाल अथवा अन्य व्यक्ति के बहकावे में आकर उनके माध्यम से कतई आवेदन न करें क्यूआर कोड को जरूर स्कैन करें।पुराने जन्म मृत्यु प्रमाण पत्रों के एसीएम व सिटी मजिस्ट्रेट स्तर पर पेन्डिग होने पर नगर आयुक्त ने दूरभाष पर सिटी मजिस्ट्रेट से बात की और कहा नगर निगम स्तर से प्रतिदिन भेजे जाने वाले प्रमाण पत्रों को अविलंभ रिपोर्ट उपरान्त प्रेषित किया जाये ताकि आवेदक को समयान्तर्गत प्रमाण पत्र निर्गत किया जा सके। नगर आयुक्त ने कहा नगर निगम में दलालों के प्रवेश पर रोक लगाने के लिये जोनल अधिकारियों के नेतृत्व में टीमें और सीसीटीवी कैमरें हर विड़ों पर लगवा दिये गये है कोई भी बाहरी व्यक्ति जन्म मृत्यु काउंटर के अंदर प्रवेश नहीं कर पायेगा यदि कोई बाहरी व्यक्ति पाया जाता है तो सम्बन्धित जोनल अधिकारी और पटल कार्मिक को पूर्ण रूप से उत्तरदायी मना जायेगा और कार्यवाही की जायेगी।

अपर आयुक्त ने सैनिक स्कूल मैनुपरी में सत्र 2025-26 की प्रवेश परीक्षा की उपलब्ध कराई

अलीगढ़ अपर आयुक्त प्रशासन अरूण कुमार ने सूचित किया है कि सैनिक स्कूल मैनपुरी में सत्र 2025–26 के लिए कक्षा–06 एवं कक्षा–09 में प्रवेश के लिए माह फरवरी 2025 में परीक्षाओं का आयोजन किया जाना है। उन्होंने बताया कि परीक्षा के लिए 13 जनवरी 2025 तक वेबसाइट https://eÛams-nta/AISSEE पर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है।उन्होंने बताया कि कक्षा–06 के प्रवेश के लिए अभ्यर्थी की जन्म तिथि 01 अप्रैल 2013 और 31 मार्च 2015 के मध्य होनी चाहिये। इसी प्रकार कक्षा–09 के प्रवेश के लिए अभ्यर्थी की जन्म तिथि 01 अप्रैल 2010 और 31 मार्च 2012 के मध्य होनी चाहिये। उन्होंने प्रवेश परीक्षा के पाठ्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि कक्षा 06 के प्रश्नपत्र में 150 अंक के गणित के 50 प्रश्न, बुद्धिमता परीक्षण, भाषा एवं सामान्य ज्ञान के 50–50 अंक के 25–25 अर्थात 300 अंक के कुल 125 प्रश्न होंगे। इसी प्रकार कक्षा 09 की प्रवेश परीक्षा में 200 अंक के गणित के 50 प्रश्न, अंग्रेजी, बुद्धिमता परीक्षण, विज्ञान एवं सामाजिक अध्ययन के 50–50 अंक के 25–25 अर्थात 400 अंक के कुल 150 प्रश्न होंगे। उन्होंने बताया कि विद्यालय में प्रवेश पूर्ण रूप से मेरिट के आधार पर किया जायेगा।

सर्दी के कारण प्राथमिक विद्यालयों के समान ही आंगनबाड़ी केंद्रों पर रहेगा 03-06 वर्ष के बच्चों का अवकाश

अलीगढ़ जिला कार्यक्रम अधिकारी कृष्ण कान्त ने जिलाधिकारी के आदेशों के क्रम में अवगत कराया है कि अत्यधिक सर्दी के कारण जिन तिथियों में प्राथमिक विद्यालयों में अवकाश घोषित किया जाएगा, उन तिथियों में आंगनबाड़ी केंद्रों पर भी 03 से 06 वर्ष के बच्चों का अवकाश रहेगा उन्होंने यह भी बताया है कि आंगनबाड़ी केंद्रों में 03 से 06 वर्ष के बच्चों को टीएचआर के रूप में पोषाहार वितरण किया जाएगा और आंगनबाड़ी केंद्रों पर सामुदाय आधारित गतिविधि, ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस, आधार व मोबाइल सत्यापन, टीएचआर के रूप में पोषाहार वितरण निर्धारित तिथियों में पूर्व की भांति की होता रहेगा।

इलाहाबाद हाईकोर्ट अलीगढ़ के एक व्यक्ति को जमानत देने से इनकार कर दिया

इलाहाबाद हाईकोर्ट अलीगढ़ के एक व्यक्ति को जमानत देने से इनकार कर दिया, जिस पर अपनी पत्नी को उसके दोस्तों और अन्य व्यक्तियों के साथ शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर करके वेश्यावृत्ति में धकेलने का आरोप है। हाईकोर्ट ने पति पर लगे आरोपों को देखते हुए कहा कि ऐसा आरोप दुर्लभ है।न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह पति सलमान को जमानत देने से इनकार करते हुए कहा कि पति के खिलाफ आरोप दुर्लभ हैं और अभियोजन पक्ष का मामला पति और पत्नी के बीच वैवाहिक विवाद का साधारण मामला नहीं है।हाईकोर्ट ने कहा–आरोप पीड़िता के सर्वोच्च सम्मान पर गंभीर आघात है और उसके आत्मसम्मान और गरिमा को ठेस पहुंचाता है। यह पीड़िता को अपमानित करता है। यह एक दर्दनाक अनुभव छोड़ता है। एक बलात्कारी न केवल शारीरिक चोट पहुंचाता है, बल्कि महिलाओं की सबसे प्रिय संपत्ति यानी गरिमा, सम्मान और प्रतिष्ठा पर अमिट दाग छोड़ जाता है।अभियोजन पक्ष के मामले के अनुसार पीड़िता की मां ने 17 जून, 2024 को अपने दामाद (पीड़िता के पति) के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया था कि दम्पति की शादी फरवरी 2024 में हुई थी।शादी के बाद उसे पता चला कि आवेदक अवैध गतिविधियों में लिप्त है और उसने उसकी बेटी को उससे संपर्क नहीं करने दिया। आरोप में कहा गया कि काफी खोजबीन के बाद शिकायतकर्ता को उसकी बेटी मिल गई, जो रोने लगी और उसे पूरी कहानी बताई कि आवेदक ने उसे जबरन अन्य पुरुषों के साथ शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर किया।आवेदक–आरोपी पति पर धारा 498–ए, 323, 328, 376–डी, 504, 506, 120–बी आईपीसी और धारा 3ध्4 दहेज निषेध अधिनियम के तहत मामला थाना – क्वार्सी, अलीगढ़ में दर्ज किया गया और पुलिस द्वारा अगस्त 2024 में उसे गिरफ्तार किया गयामामले में जमानत की मांग करते हुए पति ने हाईकोर्ट में दलील दी कि वैवाहिक विवाद के कारण उसे इस मामले में झूठा फंसाया गया है। यह भी दलील दी गई कि शिकायतकर्ता और उसके पति ने पुलिस की मदद से अपनी बेटी (पीड़िता) को उसके ससुराल से दूर ले गए।दूसरी ओर सरकारी वकील तथा शिकायतकर्ता के वकील ने आवेदक की जमानत याचिका का विरोध करते हुए तर्क दिया कि वास्तव में आवेदक ने पीड़िता के साथ विवाह इस गुप्त उद्देश्य से किया था कि वह उसे वेश्यावृत्ति के लिए मजबूर करेंगे।

नागरिक सुरक्षा कोर के सेक्टर वार्डनो द्वारा उच्च अधिकारियों के साथ मिलकर सड़क पर सो रहे लोगों को पहुंचा शोल्डर होम

अलीगढ़। नगर निगम द्वारा 08 स्थानों पर सचांलित शैल्टर होम और अलाव इस शीत लहर में खुले में सोने वाले गरीब असहाय लोगों के लिए राहत का जरिया बने हुए हैं। नगर निगम के सभी 8 शेल्टर होम आवश्यक सुख सुविधा और सुरक्षा के साथ संचालित हो रहे जिनमे रोजाना कई लोग आश्रय लेकर शीत लहर से बच रहे है । शोल्डर होम होने के बावजूद भी बहुत सारे गरीब लोग आज भी सड़कों पर सड़कों के सहारे अपनी रात में बिता रहे हैं कड़कड़ाती हुई सर्दी में उच्च अधिकारियों के साथ सिविल डिफेंस नागरिक सुरक्षा कोर के जवानों द्वारा लोगों को सड़कों से उठाकर शोल्डर हम तक पहुंचने में अपना सहयोग प्रदान किया

नगर निगम द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर जलाये जा रहे अलाव व खुले में सोने वाले लोगों को आश्रय स्थल तक न पहुचाना जोनल अधिकारियों को भारी पड़ गया है। गत रात्रि निरीक्षण पर निकले नगर आयुक्त को शहर के कई क्षेत्रों जैसे गांधी पार्क सूतमिल मसूदाबाद जीटी रोड दुबे का पड़ाव क्षेत्र में सड़क किनारे खुले में सोने वाले लोग दिखाई दिए साथ ही साथ गांधी पार्क जैसे सार्वजनिक स्थल पर अलाव की व्यवस्था नहीं होने पर नगर आयुक्त खासे नाराज हुए शनिवार सुबह अपने कार्यालय में सभीजोनल अधिकारियों के साथ अलाव और खुले में सोने वाले लोगों को आश्रय स्थल तक छोड़ने की समीक्षा करते हुए दो टूक शब्दों में नगर निगम के चारो जोनल अधिकारियों को सख्त हिदायत दी।नगर आयुक्त ने जोन 1 जोनल अधिकारी आरपी सिंह कर निर्धारण अधिकारी जोन 2 जोनल अधिकारी बैचेन सिंह कर अधीक्षक जोन 2 जोनल अधिकारी अमित कुमार उप नगर आयुक्त व जोन 4 के जोनल अधिकारी वीर सिंह सहायक नगर आयुक्त के विरुद्ध कड़ी कार्यवाई करते हुए स्पष्टीकरण तलब किया है। नगर आयुक्त ने बताया कि चारो अधिकारियों को जोनल अधिकारी का दायित्व सौंपा गया है। बीती रात्रि में अलाव व रैन बसेरे का निरीक्षण हेतु निर्देश दिये गये थे। इसके साथ ही नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत सड़क किनारे सो रहे निराश्रित ध् गरीब मजदूर व्यक्तियों को निकटतम रैन बसेरों में पहुँचाये जाने के निर्देश दिए गऐ थे, किन्तु चारो जोनल अधिकारियों द्वारा अपने दायित्वों के निर्वहन किये जाने में लापरवाही बरतने के साथ–साथ उच्चाधिकारियों ध् शासन के आदेशों का अनुपालन कराये जाने में कोई रूचि नहीं ली जा रही है। आपके इस कृत से नगर निगम की छवि धूमिल हुई है। उक्त की दिशा में चारों जोनल अधिकारियों से स्पष्टीकरण मंगा गया। नगर आयुक्त ने नगर निगम द्वारा संचालित शैल्टर होम और रैन बसेरों के स्थान और क्षमता के बारे में बताया कि नगर निगम द्वारा कुल 08 स्थानों पर शैल्टर होम और रैन बसेरें संचालित किये जा रहे है जिनमें ....

शैल्टर होमध्रैन बसेरे(स्थाई)01. नगर निगम जोन–02 गांधी पार्क शैल्टर होम पुरूष और महिला जिसकी क्षमता 100 व्यक्ति है। 02. गूलर रोड निकट पुंराना हैजा अस्पताल शैल्टर होम पुरूष और महिला जिसकी क्षमता 60 व्यक्ति है।03. भुजपुरा चौराहे के पास शैल्टर होम पुरूष और महिलाध्बच्चों के लिये जिसकी क्षमता 160 व्यक्ति है। शैल्टर होमध्रैन बसेरे(अस्थाई) 01. कठपुला के पास अस्थाई रैन बसेरा महिला व पुरूष जिसकी क्षमता 75 व्यक्ति है।02. शमशादमार्केट रोड निकट कलेक्ट्रेट के सामने अस्थाई रैन बसेरा जिसकी क्षमता 45 व्यक्ति है।03. केला नगर चौराहे के पास निकट लेबन ट्री होटल से आगे जिसकी क्षमता क्षमता 50 व्यक्ति है।04. मसूदाबाद बस स्टैण्ड के अंदर अस्थाई रैन बसेरा जिसकी क्षमता 75 व्यक्ति है। 05. सूतमील बस स्टैण्ड के पास के अस्थाई रैन बसेरा जिसकी क्षमता 75 व्यक्ति है। नगर आयुक्त विनोद कुमार ने बताया नगर निगम के संचालित सभी 08 शैल्टर होमध्रैन बसेरें में प्रतिदिन काफी संख्या में लोग विश्राम कर शीत लहर से राहत ले रहें है।

विवादों में फसा यूपी का एक और जामा मस्जिद, न्यायालय पहुंचा मामला

जहां सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत धार्मिक स्थलों के परिवर्तन की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई पर रोक है वहीं संभल के बाद अब अलीगढ़ की जामा मस्जिद का मामला भी अदालत तक पहुंच गया है। त्ज्प् एक्टिविस्ट केशवदेव गौतम ने अलीगढ़ की जिला अदालत में याचिका दायर कर दावा किया है कि जामा मस्जिद वास्तव में हिंदुओं का बाला ए किला है। याचिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि मस्जिद के पास "ओम" का निशान मौजूद है। कोर्ट में दाखिल याचिका में याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि त्ज्प् के तहत मिली जानकारी के अनुसार जामा मस्जिद के नाम से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (।ै।) के पास कोई संपत्ति पंजीकृत नहीं है। याचिका में कहा गया है कि यह किला ।ै। द्वारा नोटिफाई किया गया है और इसके टीले के अवशेष बौद्ध स्तूप या मंदिर से मिलते–जुलते हैं। याचिका में यह भी कहा गया है कि मस्जिद सार्वजनिक भूमि पर बनी है और हिंदुओं के ऐतिहासिक बाला ए किला को मिटाकर इसे जामा मस्जिद में परिवर्तित कर दिया गया है। याचिकाकर्ता ने मांग की है कि प्रशासन इस स्थान से अवैध कब्जा हटाए और इसे सरकारी नियंत्रण में ले और इसे एक तीर्थस्थल के रूप में स्थापित करे। कहा जाता है कि यह मस्जिद मुगल शासनकाल के दौरान, 1724 में, कोल (वर्तमान अलीगढ़) के गवर्नर साबित खान द्वारा मोहम्मद शाह (1719–1728) के शासनकाल में बनवानी शुरू की गई थी। इसका निर्माण कार्य चार वर्षों तक चला और 1728 में मस्जिद पूरी तरह से तैयार हो गई।

आत्मा शरीर कैसे छोड़ती है, नाक, कान और आंख के अलावा और कहां से निकलते हैं प्राण

गरुण पुराण मृत्यु एवं आत्मा संबंधी रहस्यों को उजागर करता है. गरुड़ पुराण के अनुसार, शरीर के 9 द्वार होते हैं और मृत्यु के समय आत्मा शरीर के इन्हीं नौ द्वारों में से किसी एक से बाहर निकलती है.जब किसी व्यक्ति की मृत्यु होती है तो आत्मा शरीर के किस अंग से बाहर निकलती है. गरुड़ पुराण में बताया गया है कि, कर्मों के अनुसार व्यक्ति के प्राण भी अलग–अलग अंगों से निकलते हैं. जानें कैसे.कैसे तय होता है शरीर के किस अंग से निकलेंगे प्राणकिसी मनुष्य का प्राण शरीर के किस द्वार से बाहर निकलता है, ये उस मनुष्य के स्वभाव एवं कर्मों के हिसाब से तय होता है. उदाहरण के तौर पर जब किसी व्यक्ति की मृत्यु होती है, तो अक्सर उसका मुख या आंखें खुली रहती हैं, ऐसा इसलिएहोता है क्योंकि उसके प्राण या तो उसके मुख से या उसकी आंखों से निकले होते हैं.किन–किन अंगों से निकलते हैं प्राणशरीर के 9 द्वार से आत्मा देह त्यागती है. ये 9 द्वार हैं – दोनों आंखें, दोनों कान, मुख, दोनों ना. सिकाएं और शरीर के दोनों उत्सर्जन अंग. इनमें से किसी एक से ही मृत्यु के दौरान व्यक्ति के प्राण निकलते हैं.नाक से प्राण कब निकलते हैं – गुरुड़ पुराण के अनुसार जिसने अपना पूरा जीवन भग. वान की भक्ति में लीन कर दिया है, उसके प्राण नाक से निकलते हैं. इसे शुभ माना जाता है.पापी व्यक्ति के इस तरह निकलते हैं प्राण – स्वार्थी, लालची, काम वासना में लीन रहने वाले लोगों के प्राण उत्सर्जन अंग से निकलते हैं, इसे बेहद अशुभ माना जाता है. पुराण के अनुसार ऐसे लोग जब मृत्यु के समय यम दूतों को देखते हैं तो घबरा जाते हैं और उनके प्राण नीचे की ओर सरकने लगते हैं. इसके बाद प्राण वायु मल या मूत्र के द्वार से निकलती है. ऐसे लोग मृत्यु के समय मल–मूत्र का त्याग भी कर देते हैं. इन्हें यम के दूत गले में पाश बांधकर ले जाते हैं.आंख से प्राण निकलना – गरुड़ पुराण के अनुसार जो लोग मोह माया से ग्रसित होते हैं और जीने की बहुत ज्यादा चाह रखते हैं उनके प्राण आंख से निकलते हैं. यमराज के दूत बलपूर्वक उनके प्राण हरते हैं इससे उनकी आंखे उलट हो जाती है. मुख से प्राण निकलना – जो व्यक्ति सदा धर्म के मार्ग पर चला हो उसके प्राण मुख से निकलते हैं, ऐसी आत्मा स्वर्ग सिधारती है.

मकर राशि वालों को शनि का गोचर फलेगा

साल में आप परिवारिक मामलों में बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। भले ही साल की शुरुआत से लेकर मार्च के महीने तक शनि का गोचर दूसरे भाव में रहे लेकिन बाद के समय में शनि आपको काफी राहत देने का काम कर सकते हैं क्योंकि दूसरे भाव के स्वामी शनि साल की अधिकांश समय आपके लिए अनुकूल रहेंगे.अतः पारिवारिक मामलों में अनुकूलता का ग्राफ बढ़ेगा हालांकि मई के बाद से राहु का गोचर दूसरे भाव में होने के कारण बीच–बीच में कुछ गलतफहमियां देखने को मिल सकती हैं. आपस में एक दूसरे को समझ पाने में असमर्थ होने के कारण कुछ मनमुटाव भी देखने को मिल सकता है लेकिन कोई बड़ी समस्या नहीं आएगी बल्कि पुरानी और जटिल समस्याएं धीरे–धीरे करके दूर होने लग जाएगी.वहीं गृहस्थ संबंधी मामलों की बात की जाए तो इस मामले में भी आपको इस वर्ष तुलनात्मक रूप से राहत मिलती हुई प्रतीत हो रही है. शनि की तीसरी दृष्टि का प्रभाव मार्च के बाद से आपके चतुर्थ भाव से समाप्त हो जाएगा जो गृहस्थ संबंधी मामलों में अनुकूलता देने वाली स्थिति कही जाएगी.अर्थात घर गृहस्थी को लेकर पिछले दिनों से आप जिस परेशानी से घिरे हुए थे वह परेशानी अथवा वो परेशानियां आप दूर होगी और आप गृहस्थ जीवन का बेहतर आनंद इस वर्ष ले सकेंगे. इस वर्ष आपका दामपत्य जीवन बहुत सुखमय रहेगा लेकिन फरवरी से अप्रैल तक का समय जीवनसाथी को शारीरिक कष्ट दे सकता है.विवाह योग्य जातकों का विवाह भी इस वर्ष होगा. साल का दूसरा हिस्सा विशेष कर मई महीने के मध्य भाग के बाद का समय तुलनात्मक रूप से कम. जोर रह सकता है. वहीं वैवाहिक जीवन की बात की जाय तो इस मामले में शनि का गोचर अनुकूल परिणाम देना चाह रहा है जबकि बृहस्पति का गोचर साल के पहले हिस्से में अनुकूल परिणाम देना चाह रहा है.वहीं बाद के समय में बृहस्पति प्रत्यक्ष रूप से कोई मदद नहीं कर पाएगा. इस तरह से हम कह सकते हैं कि पिछले साल की तुलना में इस वर्ष दांपत्य जीवन बेहतर रहेगा लेकिन दांपत्य संबंधी मामलों में जागरूकता की भी जरूर रहने वाली है. अर्थात असामंजस्य से बचने की प्रैक्टिकल को. शिश भी जरूरी रहेगी. ऐसा करने की स्थिति में आप दांपत्य जीवन का बेहतर आनंद ले सकेंगे.

2001 में पहली बार पकड़ में आया था HMPV, दो दशक बाद भी क्यों नहीं बन पाई वैक्सीन?

चीन में एचएमपीवी (भ्डच्ट) के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है. अबतक भारत में भी इसके 5 मामले सामने आ चुके हैं. अब आप सोच रहे होंगे कि भारत में जिन लोगों को यह वायरस अपना शिकार बना रही है तो उनकी कोई ट्रेवल हिस्ट्री रही होगी? आपकी जानकारी के लिए बता दें कि ऐसा बिल्कुल नहीं है. दुनिया के लिए या भारत के लिए यह कोई नई वायरस नहीं है बल्कि इसकी खोज साल 2001 में ही हो चुकी थी. लेकिन सबसे हैरानी की बात यह है कि 24 साल के बाद भी अब तक इस बीमारी की वैक्सीन नहीं बन पाई है. आइए जानें इस बीमारी और इसके वैक्सीन के बारे में सबकुछ.24 साल बात भी क्यों नहीं भ्डच्ट की वैक्सीन चीन में भ्डच्ट वायरस के प्रकोप के बाद भारत में सोमवार के दिन यानी 6 जनवरी तक इसे पांच केसेस मिले हैं. लेकिन इसी बीच एक और चिंता जताई जा रही है कि कहीं यह कोविड की तरह महामारी का रूप न ले लें. भ्डच्ट की खोज पहली बार साल 2001 में हुई थी. 24 साल पहले पता लगने के बावजूद अब तक इसकी वैक्सीन नहीं बनी है. कर्नाटक चिकित्सा शिक्षा निदेशालय की न्यू गाइडलाइन में कहा गया है कि भ्डच्ट के लिए कोई स्पेशल एंटीवायरल इलाज या टीका नहीं है. क्यों ये नॉर्मल कोल्ड–कफ की तरह इसके लक्षण होते हैं. चीनी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (चीन ब्क्ब्) ने यह भी उल्लेख किया है कि वर्तमान में भ्डच्ट के खिलाफ कोई टीका या दवा असरदार नहीं है. इस बीमारी के लक्षण भी पर्सन टू पर्सन अलग–अलग होते हैं. चीनी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (ब्क्ब्) के अनुसार डच विद्वानों ने पहली बार 2001 में नासॉफिरिन्जियल एस्पिरेट नमूनों में भ्डच्ट की खोज की थी. इस बीमारी के शुरुआती लक्षण सांस से जुड़ी बीमारी, बच्चों के गले के ऊपरी हिस्से में जमा बलगम या कफ जमा होना. भारत के इन राज्यों में फैल चुका हैकोरोना वायरस की तरह यह भी फ्लू महीने भर में 5 देशों में फैल चुका है. चीन से लगे पड़ोसी देश में यह तेजी से फैल रही है. भारत में अब तक इसके 6 केसेस सामने आ चुके हैं. कर्नाटक से 2, गुजरात से 1 और कोलकाता से 1, और चेन्नई से 2 मामले सामने आए हैं. इसके लक्षण काफी ज्यादा कोरोना से मिलते हैं. स्वस्थ्य बच्चों को खतरा कम डॉक्टर नीरव पटेल ने आगे कहा कि लगभग पांच दिनों तक वेंटिलेटर में के बाद उसकी हालत में काफी सुधार आया है. अभी बच्चा डिसचार्ज के लायक हो गया है. दरअसल वह नवजात बच्चा था और उसके लंग्स में पहले से समस्या थी. इसलिए यह बच्चा इससे प्रभावित हुआ था. हालांकि जो स्वस्थ्य बच्चे होंगे उन्हें कोई इंफ्क्शन हो जाए तो कोई घबराने की जरूरत नहीं है.बुजुर्गों– बच्चों को ज्यादा ध्यान रखने की जरूरत वहीं एम्स के पूर्व डायरेक्टर रणदीप गुलेरिया ने कहा ष्इसमें खतरे वाली बात नहीं है. यह कोई नया वारयरस नहीं हैं. हालांकि इससे बुजुर्गों और बच्चों को ज्यादा ध्यान रखने की जरूरत है, क्योंकि इनमें इम्युनिटी कम होती है और उनको इंफेक्शन जल्दी हो जाता है. सर्दियों में इसके मामले ज्यादा आते हैं. क्योंकि ये वायरस हवा में काफी लंबे समय के लिए रहता है और फैल सकता है इसलिए सर्दियों में लोगों को ज्यादा ध्यान रखने की जरूरत है.यदि सर्दी– खांसी रहे तो थोड़ी दूरी बनाए रखें. साथ ही यदि बच्चों को बुखार नजला है तो पेरेंट्स उसको स्कूल ना भेजें.

धनु राशि पर गुरू की कृपा रहेगा, वैवाहिक जीवन में आएंगी खुशहाली

पारिवारिक मामलों में इस वर्ष आप सामान्य तौर पर अच्छे परिणाम प्राप्त कर सकेंगे. आपके दूसरे भाव का स्वामी शनि ग्रहय मार्च के महीने तक काफी अच्छी स्थिति में है. अतः महत्वपूर्ण पारिवारिक निर्णयों को इस बीच में संपन्न कर लेना ज्यादा अच्छा रहेगा. बाद के समय में शनि ग्रह की स्थिति कमजोर हो सकती है. ऐसे में बाद के परिणाम भी कमजोर रह सकते हैं लेकिन बृहस्पति ग्रह की अनुकूलता लगभग पूरे महीने ही कोई बड़ी समस्या नहीं आने देगी. कहने का तात्पर्य है कि साल सामान्य तौर पर पारिवा. रिक मामलों के लिए अच्छा है.फिर भी महत्वपूर्ण निर्णयों को साल की शुरुआती हिस्से में संपन्न कर लेना ज्यादा अच्छा रहेगा. गृहस्थ जीवन की बात करें तो इस मामले में भी साल की शुरुआती महीने अर्थात जनवरी से लेकर मार्च तक के महीने ज्यादा अच्छे रहेंगे. बाद के समय में शनि का चतुर्थ भाव में गोचर गृहस्थजीवन में कुछ परेशानियां दे सकता है. विशेष कर मार्च से मई के बीच में परिणाम अधिक कमजोर रह सकते हैं बाद के समय में राहु का गोचर चतुर्थ भाव से दूर हो जाएगा. अतः कुछ समस्याएं कम हो सकती हैं लेकिन शनि की स्थिति इस बात का संकेत कर रही है कि इस पूरे वर्ष ही आपको गृहस्थ संबंधी मामलों में कोई भी लापरवाही नहीं बरतनी है.साल के पहले हिस्से में प्रयत्न उतने अच्छे रंग नहीं ला सकेंगे जिससे कि सारी मनोकामनाएं पूरी हो सकें लेकिन मई महीने के मध्य के बाद देवगुरु बृहस्पति जो आपके लग्न या राशि के स्वामी भी हैंय आपके सप्तम भाव में गोचर करेंगे और आपके विवाह के रास्ते खोल सकेंगे. अतः साल का दूसरा हिस्सा विशेषकर मई महीने के मध्य के बाद विवाह सगाई जैसे मामलों में अच्छी खासी अनुकूलता देखने को मिल सकती है.वैवाहिक संबंधों की बात करें तो इस मामले में भी साल का दूसरा हिस्सा ज्यादा अच्छे परिणाम दे सकता है. साल के पहले हिस्से में भी कोई बड़ी प्रतिकूलता नजर नहीं आ रही है लेकिन तुलना करने पर हम पाते हैं कि साल के दूसरे हिस्से में आप अपने वैवाहिक जीवन का बेहतर आनंद उठा सकेंगे.

बर्ड फ्लू से अमेरिका में हुई पहली मौत

अमेरिका के लुइसियाना के बर्ड फ्लू को लेकर एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है. दरअसल, यहां पर इस फ्लू के कारण 65 साल के एक व्यक्ति की मौत हो गई है. कुछ दिन पहले इस मरीज को मिड से साउथ स्टेट के हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया था. अमेरिकी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) ने इसे एच5एन1 वायरस इंसान में फैलने वाला पहला केस बताया है. अमेरिका में इन दिनों बर्ड फ्लू काफी तेजी से फैल रहा है. लुइसियाना के हेल्थ अथॉरिटीज ने मृत्यु की घोषणा करते हुए एक बयान में कहा कि आम जनता के बीच इसका रिस्क कम है लेकिन जो लोग पक्षियों, मुर्गियों और गायों के साथ 24 घंटा रहते हैं या काम करते हैं उनके लिए इन दिनों सावधान रहने की जरूरत है. पर्सन टू पर्सन ट्रांसमिशन?रिपोर्ट के मुता. बिक मरीज को नॉन–कमर्शियल जंगली पक्षियों के कॉन्टैक्ट में आने के बाद यह बीमारी हुई थी. लेकिन फिलहाल स्टेट ने इसे लेकर किसी भी तरह की पुष्टि नहीं की है. संघीय सरकार द्वारा भ्5छ1 की निगरानी के लिए खास कार्यक्रम बनाए गए हैं. वहीं इस पर रिसर्च जारी है. सा. इंटिस्ट ने जताई चिंताचिड़िया से इंसानों में तेजी से बर्ड फ्लू फैलने को लेकर सा. इंटिस्टों ने चिंता जताई है. साथ ही यह भी कहा है कि यह एक गंभीर रूप ले सकती है. यह एक घातक महामारी को ट्रिगर कर सकती है. इंसानों को पालतू जानवरों से बर्ड फ्लू का खतराद सन की रिपोर्ट के मुताबिक, रॉयल सोसाइटी फॉर द प्रिवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टू एनिमल्स (ट्च्।) ने कुत्ते के मालिकों को बर्ड फ्लू के खतरे के बीच समुद्र तट के पास टहलते वक्त अपने पेट एनिमल्स पर कड़ी नजर रखने की चेतावनी दी थी. ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के पेनडेमिक सा. इंसेज इंस्टीट्यूट में प्रोफेसर एंड्रयू पोलार्ड ने कहा कि उन्हें यह देखकर बिल्कुल आश्चर्य नहीं हुआ कि बर्ड फ्लू का वायरस कुत्ते ने खुद अपने अंदर लिया था. इस वायरस ने पिछले दो सालों में दुनिया के कई देशों में लाखों पक्षियों का सफाया किया है और सिर्फ पक्षी ही नहीं, कई जानवरों को भी बुरी तरह से प्रभावित किया है जिनमें ऊदि. बलाव, सील, हार्बर पोर्पस और लोमड़ी आदि शामिल हैं. आइए जानते हैं कि बर्ड फ्लू से संक्रमित होने के बाद इंसानों में कौन–कौन से लक्षण दिखाई दे सकते हैं.इंसानों में बर्ड फ्लू के लक्षण1. बहुत तेज बुखार होना, गर्मी या कंपकंपी महसूस करना2. मांसपेशियों में दर्द होना3. सिर में दर्द4. खांसी और सांस लेने में तकलीफ5. दस्त6. बीमार पड़ना7. पेट में दर्द 8. सीने में दर्द9. नाक और मसूड़ों से खून निकलना 10. आंख आना

आवश्यकता है
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र जननायक सम्राट के लिए जिला व्यूरो चीफमंडल व्यूरो चीफ ब्लाक ,ब्यूरो संवाददाता की आवश्यकता है।
सम्पर्क करें -
अमित कुमार वर्मा -संम्पादक
मौ:-8218049162,8273402499

जननायक सम्राट
हिन्दी साप्ताहिक
मालिक,मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंगप्रेस,अचलताल अलीगढ़ से मुद्रितकराकर . कार्यालय सरोज नगर गली नम्बर 5,अलीगढ़ से प्रकाशित
सम्पादक-अमित कुमार वर्मा
सभी विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायलय ही होगा

ठंड में लगातार अदरक कूट–कूटकर चाय बना रहे हैं आप

अदरक सेहत के लिए फायदेमंद तो है लेकिन कहते हैं न किसी भी चीज की लत हमेशा से नुकसानदायक ही होती है. ठीक उसी तरह अगर आप बार–बार चाय में अदरक कूटकर डालते हैं और उसे फिर पीते हैं तो यह ओवरऑल हेल्थ के लिए काफी ज्यादा नुकसानदायक है. इसस आपको पेट में और सीने में जलन, दस्त, गैस और पेट दर्द की शिकायत हो सकती है.साल 2019 की एक रिसर्च के मुताबिक अदरक के साइड. इफेक्ट्स आपको शरीर पर दिखाई दे सकते हैं. अदरक वाली चाय ज्यादा पीने से सीने में जलन एसिड रिफ्लक्स के कारण होती है, जिससे छाती के निचले हिस्से में जलन होती है. पूरे दिन में 1 ग्राम से ज्यादा नमक नहीं खाना चाहिए. अदरक वाली चाय या खाने में इसे डालकर खाने से शरीर में होने लगती हैं ये दिक्कतें पेट में जलन अदरक भले ही शरीर को गर्मी प्रदान करता हो, लेकिन इसका ज्यादा सेवन करने से पेट में जलन, एसिड बनने, गैस और कब्ज जैसी दिक्कतें हो सकती हैं. हालांकि अगर आप इसका थोड़ी मात्रा में खाने के बाद सेवन करते हैं तो यह पेट फूलने की समस्या को कम कर सकता है.ब्लड क्लॉटिंग को करता है प्रभावितरू अदरक में ऐसे गुण पाए जाते हैं, जिससे खून को पतला किया जा सकता है. हालांकि इसका ज्यादा सेवन ब्लड क्लॉटिंग को प्रभावित कर सकता है. इसका ज्यादा सेवन करने से उन लोगों की दिक्कतें बढ़ सकती हैं, जो खून को पतला करने वाली दवाइयां ले रहे हैं.कम हो सकता है ब्लड शुगर लेवलरू खाने में जरूरत से ज्यादा अदरक को शामिल करने से इंसुलिन के लेवल में बाधा पैदा हो सकती है. इसकी वजह से ब्लड शुगर का लेवल अचानक कम हो सकता है. मुंह में छाले अगर आप बहुत ज्यादा अदरक का सेवन करते हैं तो यह समस्या आपको परेशान कर सकती है. इसलिए जितना हो सके, अदरक का सीमित मात्रा में इस्तेमाल करें.